एमएसएमई को ऋण देने में उदार बनें बैंक : खन्ना

सम्मेलन

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। यूपी के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि बैंकिंग सेक्टर एमएसएमई को ऋण देने में उदारता बरतें और सहयोगात्मक रवैया अपनायें। सभी बैंक अपने द्वारा दिये जाने वाले कर्ज की सुरक्षा के लिये पुख्ता कदम उठायें, लेकिन ऋण देने में उदारता भी बरतें। कैबिनेट मंत्री ने बुधवार को द एसोसिएटेड चैम्बर्स आफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री आफ इंडिया (एसोचैम) द्वारा बुधवार को गोमतीनगर में आयोजित दो दिवसीय उत्तर प्रदेश एमएसएमई सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यदि बैंकिंग क्षेत्र का रवैया सहयोगात्मक होगा तो चीजें बेहतर होंगी। हम क्रय शक्ति बढ़ाना चाहते हैं, ताकि अर्थव्यवस्था बेहतर तरीके से चले। हमने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। हर भारतीय का सपना होना चाहिये कि हम हर तरह से आत्मनिर्भर बनें। इस अवसर पर एसोचैम और आईआईटी कानपुर के बीच एक सहमति-पत्र (एमओयू) का आदान-प्रदान भी किया गया। उन्होंने कहा कि आज राज्य का निर्यात एक लाख 76 हजार करोड़ का है। वर्तमान में प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 25 लाख करोड़ है। 32 लाख करोड़ तक ले जाना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे

एमएमएमई सम्मेलन में बुधवार को राज्य वित्त मंत्री सुरेश खन्ना मौजूद रहे।

ऑनलाइन माध्यम अधिक उपयोग करें: अवनीश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार सेवानिवृत आईएएस अवनीश अवस्थी ने एमएसएमई के आनलाइन माध्यमों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि सरकार इन्वेस्ट यूपी जैसी पहल के जरिये खुद ही एमएसएमई के दरवाजे पर पहुंचना चाहती है, अब एमएसएमई को भी अपने कदम आगे बढ़ाना चाहिये।

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र को विकसित किये बगैर देश की प्रगति सम्भव नहीं है और राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का सपना भी इस क्षेत्र को बढ़ावा दिये बगैर पूरा नहीं किया जा सकता।